## सार-समाचार

### लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी से डॉ. सतीश शर्मा ने पूरी की पीएचडी

**अलवर।** चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में शोध और नवाचार की दिशा में अलवर के डॉ. सतीश शर्मा ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी, अलवर से पीएचडी की उपाधि सफलतापूर्वक पूरी की है। उनका शोध कमर दर्द के उपचार और प्रबंधन में आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीकों की प्रभावशीलता पर केंद्रित रहा। शोध का विषय 'एडवांस्ड फिजियोथेरेपी मैनेजमेंट ऑफ लो बैक पेन' था। डॉ. शर्मा ने अपने शोध में कमर दर्द से पीड़ित मरीजों के उपचार में एडवांस्ड फिजियोथेरेपी तकनीकों की उपयोगिता और प्रभावों का अध्ययन किया। शोध में आधुनिक एवं उन्नत फिजियोथेरेपी पद्धितयों के माध्यम से मरीजों को दर्द से राहत दिलाने और उनकी शारीरिक कार्यक्षमता में सुधार लाने की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। कमर दर्द आज बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करने वाली समस्या है। ऐसे में इसके उपचार के लिए प्रभावी और आधुनिक तकनीकों पर आधारित शोध चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अपनी इस उपलब्धि पर डॉ. शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएचडी की उपाधि उनके लिए केवल शैक्षिणक उपलब्धि नहीं है, बल्कि फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में निरंतर सीखने, शोध करने और उपचार की बेहतर पद्धितयां विकसित करने की दिशा में एक नई शुरुआत है। उनका प्रयास रहेगा कि शोध से प्राप्त ज्ञान और अनुभव का उपयोग मरीजों को बेहतर उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में किया जाए। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय शोध निर्देशक डॉ. बीरू पकक्षय महाकौल, फिजियोथेरेपी डीन डॉ. सचिन अग्रवाल, डॉ. नरेश कालरा, डॉ. रीना शर्मा, जूही, आयुष सहित लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी के प्रबंधन एवं शिक्षकों को दिया। साथ ही शोध में सहयोग करने वाले प्रतिभागियों और परिवार के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

### स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की वरीयता सूची जारी, दस्तावेज सत्यापन 23 तक होगा

**कोटपूतली।** यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में शैक्षिणक सत्र के तहत स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश की प्रक्रिया तेज हो गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के कुल 14 विषयों की प्रथम वरीयता व प्रतीक्षा सूची आधिकारिक रूप से जारी कर दी है। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. उर्मिल महलावत ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन विद्यार्थियों का नाम वरीयता सूची या प्रतीक्षा सूची में शामिल है, वे अपने मूल प्रमाण पत्रों की जांच के लिए संबंधित विषय के विभाग में उपस्थित हों। दस्तावेज सत्यापन की अंतिम तिथि 23 नवंबर निर्धारित की गई है। प्राचार्य ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि तक मूल प्रमाण पत्रों की जांच नहीं करवाने पर संबंधित अभ्यर्थी का प्रवेश स्वत: ही निरस्त मान लिया जाएगा। प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ. सीमा पंत ने बताया कि दस्तावेज सत्यापन के लिए अभ्यर्थी को स्वयं महाविद्यालय में उपस्थित होना होगा। सत्यापन के समय सभी मूल दस्तावेजों के साथ उनकी स्व-प्रमाणित फोटो प्रतियों का एक सेट प्रस्तुत करना अनिवार्य है। साथ ही ई-मित्र के माध्यम से प्रवेश शुल्क जमा करवाने की अंतिम तिथि भी 23 नवंबर ही रखी गई है। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार विद्यार्थियों को अपने साथ आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी और बधाई पत्र, स्नातक के तीनों वर्षों की मूल अंकतालिकाएं, मूल टी.सी. एवं चरित्र प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र, बोनस अंक हेतु संबंधित प्रमाण पत्र (यदि लागू हो) आदि दस्तावेज लाना आवश्यक है। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र विद्यार्थियों से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय पर पहुंचकर अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।

### ईवीएम और डाक मतपत्रों की गणना को लेकर मतगणना कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया

**अलवर,।** पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के तहत जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के निर्वाचन की मतगणना को लेकर बुधवार को प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें मतगणना पर्यवेक्षकों एवं मतगणना सहायकों को ईवीएम और डाक मतपत्रों की गणना प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों ने मतगणना की संपूर्ण प्रक्रिया समझाई। इसमें मतगणना का समय, स्थान एवं कार्यक्रम, गणना कक्ष का प्रबंधन तथा गणना अभिकर्ताओं की नियुक्ति, उनके अधिकार और दायित्वों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान डाक मतपत्रों की गणना और ईवीएम से मतगणना की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। इसके साथ ही मतगणना के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, परिणामों की घोषणा, आवश्यक दस्तावेज तैयार करने तथा मतगणना के बाद मशीनों को सील करने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। मास्टर ट्रेनरों ने मतगणना से जुड़े सभी कार्मिकों को निर्वाचन प्रक्रिया के निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुसार निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए।

### कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

**टोंक।** पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा छावनी सर्किल टोंक पर स्थित स्व. इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर आयोजित की गई विचार गोष्ठी में पूर्व जिला अध्यक्ष ने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण, योगदान, दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व सदैव हमारी प्रेरणा बना। इस अवसर पर पूर्व विधायक कमल बेरवा, मीडिया प्रभारी जर्रार खान, अब्दुल खालिक बरकात हसीन, सीपी मेहता, शब्बीर अहमद, पार्षद कल्याण महावर अशोक महावर मनिंदर बेरवा, तुलसीराम मीणा, नरेश बेरवा, कैलाश मीणा, विक्रम बेरवा इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# कलेक्टर ने नालियों और सड़कों के किनारे जमा कचरे पर नाराजगी जताई

**खैरथल,( निसं )।** भिवाड़ी दौर पर रहे जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने बीड़ा में अधिकारियों के साथ बैठक की और क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों एवं औद्योगिक क्षेत्रों की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी लेकर एक के बाद एक तीन जगहों पर औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को साफ संदेश दिया कि सिर्फ कागजी प्रगति नहीं चलेगी, काम जमीन पर दिखना चाहिए।

शुरुआत बीड़ा कार्यालय से हुई। कलेक्टर ने सर्वप्रथम बीड़ा कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों एवं औद्योगिक क्षेत्रों की व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात जिला कलेक्टर ने भिवाड़ी इंडस्ट्रियल एरिया एवं चौपानकी इंडस्ट्रियल एरिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं, साफ सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण पर कलेक्टर ने जगह-जगह रुककर सफाई व्यवस्था देखी, नालियों और सड़कों के किनारे जमा कचरे पर नाराजगी जताई और मौके पर सुधार के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने भिवाड़ी टोल से टपूकड़ा तक सड़क चौड़ीकरण के लिए चल रहे कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों से कार्य की स्थिति की जानकारी ली तथा कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा यह सड़क भिवाड़ी की लाइफलाइन है। रोज हजारों वाहन और मजदूर इसी सड़क से गुजरते हैं। काम धीमा होने से जाम और धूल की समस्या बनी हुई है। कलेक्टर ने ठेकेदार और विभाग को साफ कहागुणवत्ता से समझौता नहीं होगा, काम समय पर पूरा हो। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने सड़क के दोनों ओर की साफ-सफाई, एकत्रित कचरे के निस्तारण तथा विभिन्न स्थानों पर की जा रही क्लीनिंग व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि भिवाड़ी से टपूकड़ा तक सड़क के आसपास नियमित रूप से सफाई करवाई जाए तथा सड़क किनारे कहीं भी कचरा एकत्रित नहीं होने दिया जाए।



- बीड़ा कार्यालय में बैठक से लेकर चौपानकी इंडस्ट्रियल एरिया तक निरीक्षण किया भिवाड़ी-टपूकड़ा रोड पर अफसरों की लगी क्लास

**कलेक्टर अतुल प्रकाश ने औद्योगिक क्षेत्रों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।**

### हत्या को लेकर टीकाराम ने जताया शोक

**राजगढ़।** राजगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गुरुवार को युवा व्यापारी मयंक गोपालिया के निवास पर जाकर उनके निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा कि जयपुर के वैशाली नगर में युवा कैफे व्यापारी राजगढ़ निवासी मयंक गोपालिया की हत्या राज्य में कानून व्यवस्था की नाकामी है। राज्य में आम जन किस तरह सुरक्षित रहे, इस दिशा में मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को राज्य की जनता को आश्वस्त करना होगा। नेता प्रतिपक्ष शुक्रवार को राजगढ़ टहला रोड पर मयंक गोपालिया के निवास पर शोक जताने पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी एवं हर संभव मदद का भरोसा जताया। विदित रहे कि करीब 15 दिन पूर्व कैफे संचालक मयंक गोपालिया को बदमाशों ने घर जाते समय लाग्रे डंडों से मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया। जिसकी उपचार के दौरान तीन दिन पूर्व मौत हो गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में हत्या सहित अन्य गंभीर अपराध घटित होना राज्य की कानून व्यवस्था के चौपट होने को दर्शाता है।

- राजगढ़ निवासी मयंक गोपालिया की हत्या का मामला

### मुख्य बाजारों और सर्विस रोड पर बेतरतीब खड़े वाहनों से रोजाना लग रहा जाम

**पावटा।** कस्बे के मुख्य बाजारों और सर्विस रोड पर अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों के कारण आए दिन जाम की समस्या से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजारों में कहीं सड़क किनारे तो कहीं बीच रास्ते में वाहन खड़े रहने से आवागमन बाधित हो रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई बार राहगीरों और दुपहिया वाहन चालकों को निकलने तक का रास्ता नहीं मिल पाता। इसके बावजूद नगरपालिका और पुलिस प्रशासन की ओर से स्थायी यातायात व्यवस्था बनाने को लेकर प्रभावी पहल नजर नहीं आ रही है। मुख्य बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले ग्राहकों, स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों और राहगीरों को रोजाना जाम से जूझना पड़ रहा है। सर्विस रोड पर भी बेतरतीब पार्किंग के चलते वाहनों की कतारें लग जाती हैं। कई बार थोड़ी दूरी तय करने में भी काफी समय लग जाता है। जाम के दौरान एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहनों के आवागमन को लेकर भी चिंता बनी रहती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कस्बे की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? नगरपालिका की ओर से पार्किंग व्यवस्था विकसित करने और अतिक्रमण पर नियंत्रण को लेकर ग्रेस कदम क्यों नहीं उग्रए जा रहे हैं? वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से नो-पार्किंग और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए नियमित कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी-कभार कार्रवाई करने से जाम की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। इसके लिए मुख्य बाजारों और सर्विस रोड पर नियमित निगरानी, निर्धारित पार्किंग स्थल, नो-पार्किंग जोन का निर्धारण तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई जरूरी है।



- आमजन, व्यापारी और राहगीर परेशान, आखिर कब जागेंगे जिम्मेदार? यातायात व्यवस्था सुधारने के दावे धरातल पर बेअसर

**बाजारों में कहीं सड़क किनारे तो कहीं बीच रास्ते में वाहन खड़े रहने से आवागमन बाधित हो रहा है।**

# 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' में नगर पालिका ने तीन दिन का अल्टीमेटम दिया

**किशनगढ़ बास।** अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर नगर पालिका ने अब स्थिति और ज्यादा साफ कर दी है। एक आदेश 17 नवंबर को भी निकल गया था, जिसमें केवल स्थाई-अस्थाई अतिक्रमण हटाने की बात की गई थी। अब नगर पालिका ने एक और आदेश जारी कर साफ कर दिया है कि रोड सेंटर से 40 फुट तक अतिक्रमण हटाया जाएगा। लेकिन अभी भी नगर पालिका ने अन्य रोड एवं सार्वजनिक जगहों पर हटाए जाने वाले अतिक्रमण को लेकर स्थिति साफ नहीं की है। नगर पालिका द्वारा जारी नए आदेश में कहा गया है कि पालिका क्षेत्र में मोठूका रोड बिजली घर तिराहे से मेन हाईवे तक एवं बासडा रोड पर आम लोगों द्वारा मकान एवं दुकान बनाकर स्थाई/अस्थाई अतिक्रमण कर रखा है। पालिका द्वारा पूर्व में अतिक्रमण हटाने हेतु नोटिस भी जारी किया हुआ है। 19 को नए आदेश में सबसे अहम बात यह है कि नगर पालिका द्वारा जो निशानदेही की गई है रोड सेंटर से 40 फीट उसको स्वयं के द्वारा अंदर अवधि 03 दिवस में हटा लिया जावे। अन्यथा पालिका द्वारा जहां तक चिन्हित किया गया है, दुकान एवं पक्के मकानों को ध्वस्त किया जावेगा, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं की होगी। यानी अब मामला सिर्फ चबूतरे, छज्जे और टीन-शेड तक सीमित नहीं है। अब पक्के मकान और दुकान भी निशाने पर हैं। 40 फीट की निशानदेही के दायरे में आने वाले निर्माण को खुद हटाना होगा।

17 नवंबर वाले पहले आदेश में सिर्फ इतना कहा गया था कि नाली से बाहर बने चबूतरों और स्थाई/अस्थाई अतिक्रमण को 3 दिन में हटा लें। उसमें 40 फीट का कोई जिक्र नहीं था। इसलिए लोगों में भ्रम था कि कितना टूटेगा, कितना बचेगा। अब दूसरे आदेश ने वह भ्रम दूर कर दिया है।

लेकिन अभी भी सबसे बड़ा सवाल गंज रोड सहित अन्य रोड को लेकर है। जहां सबसे ज्यादा अतिक्रमण सरकारी नालों पर बताया जाता है। वहां पर हटाए जाने वाले अतिक्रमण को लेकर नगर पालिका ने अभी तक स्थिति साफ नहीं की है। पालिका की चुप्पी के कारण अटकलों का बाजार गर्म है। दूसरे आदेश के बाद मोठूका रोड और बासडा रोड पर दहशत बढ़ गई है। कई दुकानदार खुद अपने हाथों से अपनी दुकानों के आगे का हिस्सा तोड़ रहे हैं। कई लोगों ने सामान समेटना शुरू कर दिया है। लोगों को डर है कि अगर पालिका ने तोड़ा, तो पक्का निर्माण भी जाएगा और खर्चा भी उन्हीं से वसूला जाएगा।

- बिजली घर चोक से मोठूका और तोप सर्किल से बासड़ा चौंक तक रोड सेंटर से 40 फीट अतिक्रमण हटेगा
- नगर पालिका ने आम सूचना जारी कर की स्थिति साफ
- दो दिन पहले 17 नवंबर को भी निकाली गई आम सूचना पर उसमें रोड सेंटर 40 फुट का जिक्र नहीं था

# पालिका बोर्ड की बैठक में सर्वसम्मति से कई अहम फैसले लिये

**पावटा।** पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के आमजन को राहत देने और शहर की मूलभूत समस्याओं के समाधान की दिशा में 12 अक्टूबर सोमवार को नगरपालिका बोर्ड की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए थे। नगरपालिका अध्यक्ष मीना देवी की अध्यक्षता एवं अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह मीणा एवं पार्षदों की मौजूदगी में आयोजित बैठक में पार्षदों की ओर से उग्रए गए विभिन्न जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई थी। इसके बाद सदन ने सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित कर आमजन को राहत पहुंचाने का रास्ता साफ किया गया है। बैठक के बाद सबसे महत्वपूर्ण निर्णय मंदिर की भूमि पर बसी आवासीय कॉलोनियों को बिजली एवं पेयजल कनेक्शन के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) जारी करने को लेकर लिया गया। पार्षदों ने बताया कि शहर में कई ऐसी कॉलोनियां हैं, जो मंदिर की भूमि पर बसी हुई हैं। संबंधित विभागों द्वारा बिजली और नल कनेक्शन के लिए नगरपालिका की एनओसी मांगी जाती है, लेकिन एनओसी नहीं मिलने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इस पर अध्यक्ष मीना देवी ने आमजन की समस्या को गंभीरता से रखते हुए प्रस्ताव रखा। चर्चा के बाद सदन ने सर्वसम्मति से ऐसी कॉलोनियों में बिजली एवं पानी के कनेक्शन के लिए महज 100 रुपए शुल्क लेकर एनओसी जारी करने का निर्णय लिया। हालांकि बैठक में स्पष्ट किया गया कि यह एनओसी किसी भी प्रकार का स्वामित्व दस्तावेज नहीं मानी जाएगीग आमजन को आर्थिक राहत देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा संचालित पट्टा अभियान के तहत पट्टों की दरें कम करने का प्रस्ताव भी सदन में रखा गया। पार्षदों ने पट्टा दरों के कारण आमजन को होने वाली परेशानी का मुद्दा उग्रया।

इस पर सर्वसम्मति से राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजकर दरों में कमी करने की मांग करने का निर्णय लिया गयाय शहर में पीएचईडी विभाग द्वारा नगरपालिका की सड़कों को बिना अनुमति खोदकर पेयजल लाइन डालने और बाद में सड़कों की मरम्मत नहीं करवाने का मामला भी बैठक में उग्रा। पार्षदों ने कहा कि विभागीय लापरवाही का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ता है। इस पर सदन ने निर्णय लिया कि संबंधित विभाग नगरपालिका की अनुमति के बिना सड़कों की खुदाई नहीं करेगा तथा सड़क क्षितग्रस्त होने पर उसकी मरम्मत की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। शहर के कई वार्डों में बंदरों के बढ़ते आतंक का मुद्दा भी प्रमुखता से उग्रया गया। पार्षदों ने बताया कि बंदरों के कारण आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर अध्यक्ष मीना देवी ने बंदरों को पकड़वाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित किया। निर्णय के अनुसार बंदरों को पकड़वाकर शहर से दूर सरिस्का क्षेत्र में छुड़वाने की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में नवनिर्वाचित पार्षदों के सम्मान एवं उनकी पहचान के लिए नगरपालिका क्षेत्र में साइन बोर्ड लगवाने का निर्णय लिया गया।

वहीं नगरपालिका उपाध्यक्ष सोमवती मीना ने नवनिर्वाचित पार्षदों के लिए नगरपालिका कार्यालय में बैठने की उचित व्यवस्था करवाने का प्रस्ताव रखा, जिसे भी सदन ने सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान की। बैठक में शहर के विकास कार्यों को लेकर बताया गया कि सड़क निर्माण, नाली निर्माण एवं मरम्मत जैसे कार्यों के लिए बजट आवंटित अथवा प्राप्त होने के बाद निविदा प्रक्रिया आमंत्रित की जाएगी। वहीं नगरपालिका क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों के भवनों एवं खेल मैदानों के रखरखाव के लिए राज्य सरकार की ओर से नगरपालिका को अलग से बजट उपलब्ध नहीं करवाए जाने की जानकारी भी दी गई।

बैठक के दौरान जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर पार्षदों ने अपने सुझाव रखे। सभी प्रस्तावों पर सहमति बनने के बाद अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह मीणा ने अध्यक्ष एवं पार्षदगणों का आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष मीना देवी की अनुमति से बैठक की कार्यवाही समाप्त की गई। नगरपालिका बोर्ड की बैठक में पारित ये फैसले शहर की बुनियादी सुविधाओं, आमजन को आर्थिक राहत और वार्डों की समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। अब इन निर्णयों को धरातल पर लागू करने की जिम्मेदारी नगरपालिका प्रशासन की होगी।

- इसके बाद सदन ने सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित कर आमजन को राहत पहुंचाने का रास्ता साफ किया गया है

### कलेक्टर ने किया सामुदायिक चिकित्सालय एवं विद्यालय का निरीक्षण

**राजगढ़।** जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने उपखंड क्षेत्र के ठाम सकट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों संस्थानों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएचसी के निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवाइयों के स्टॉक और साफ-सफाई की स्थिति का मूल्यांकन किया। उन्होंने ठामीणों और मरीजों से सीधा संवाद कर चिकित्सालय में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। जिला कलेक्टर ने चिकित्सालय की बेहतर स्थिति के मध्य गर्भवती महिलाओं के लिए सभी सुविधाएं चिकित्सालय में मिलने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चिकित्सालय में मरीजों की संख्या के अनुपात में सुविधा एवं व्यवस्थाएं ठीक मिली। इसके पश्चात कलेक्टर डॉ. शुक्ला ने पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंचीं। जहाँ उन्होंने कक्षाओं का अवलोकन कर विद्यार्थियों से रूबरू हो सुविधाओं की जानकारी ली।

## सार-समाचार

### पीटीआई भर्ती 2027 में पद बढ़ाने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

**कोटपूतली।** राजस्थान सरकार की आगामी शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती 2027 में पदों की संख्या बेहद कम प्रस्तावित किए जाने के विरोध में प्रदेशव्यापी 'पीटीआई भर्ती पोस्ट बढ़ाओ आंदोलन' अब तेज हो गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को राजस्थान बेरोजगार शारीरिक शिक्षक संघ के बैनर तले जिले के सैकड़ों पीटीआई अभ्यर्थियों ने उपखंड कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नाम एसडीएम योगेश सिंह देवल को ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों ने ज्ञापन के जरिए मांग की है कि आगामी पीटीआई भर्ती 2027 में बैकलॉग सहित प्रस्तावित मात्र 1200 पदों को बढ़ाकर कम से कम 5000 किया जाए। अभ्यर्थियों का कहना है कि 05 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद आ रही इस भर्ती में इतनी कम सीटें निकालना लाखों योग्य बेरोजगार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। एक ओर सरकार 'खेलो इंडिया' और 'ग्रामीण-शहरी ओलंपिक' जैसी योजनाओं से खेलों को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी ओर स्कूलों में शारीरिक शिक्षकों के पद खाली रखे जा रहे हैं। ज्ञापन में पिछली भर्तियों का तुलनात्मक ब्यौरा देते हुए शिक्षा विभाग के आंकड़ों पर गंभीर सवाल उग्रए गए हैं। ज्ञापन में बताया कि वर्ष 2018 में 4500 पदों पर भर्ती हुई थी। इसके महज 04 साल बाद वर्ष 2022 में 5546 पदों पर भर्ती की गई। अब 05 साल के लंबे अंतराल के बाद वर्ष 2027 में केवल 1200 पद प्रस्तावित किए गए हैं। अभ्यर्थियों का तर्क है कि पिछले 05 वर्षों में हजारों विद्यालय क्रमोन्नत हुए हैं, बड़ी संख्या में वरिष्ठ शिक्षक सेवानिवृत्त हुए हैं और नामांकन भी बढ़ा है। ऐसे में शाला दर्पण के वास्तविक रिक्त पदों को जोड़कर भर्ती निकाली जानी चाहिए। प्रदेश के सभी जिलों में अभ्यर्थी स्थानीय प्रशासन को ज्ञापन सौंप रहे हैं। इससे पूर्व 17 नवंबर को संघर्ष समिति के सदस्यों ने एड. महेश रहीसा के नेतृत्व में खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राग्रैड़ को भी ज्ञापन सौंपा था, वहीं सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) में भी विरोध दर्ज कराया गया। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आगामी कार्यक्रम के तहत प्रशासन से अनुमति लेकर जयपुर के शहीद स्मारक पर सांकेतिक धरना दिया जाएगा। इस दौरान एड. महेश रहीसा, भैरू सहाय, पारस स्वामी, विक्रम, सुरेश, राजेश, पंकज, मोहन, जयंत, प्रहलाद, रोहित व प्रियांशु सहित बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

### अग्रसेन महिला विद्यापीठ में अर्जुन अवार्डी रूद्रांष का सम्मान समारोह

**भरतपुर** (निसं)। श्री अग्रसेन महिला विद्यापीठ परिसार में अग्रवाल षिक्षा समिति एवं विद्यापीठ परिवार अर्जुन अवार्डी 2025 रूद्रांष खण्डेलवाल के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रूद्रांष को खुली गाडी में फूल मालाओं से स्वागत कर विद्यापीठ लाया गया। यहां श्री अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल, सचिव राकेष बंसल, कोशाध्यक्ष राधेष्याम गोयल द्वारा फूलमाला, साफा पहना कर एवं सम्माननिधि प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यापीठ के चारों संस्थानों के कार्मिको द्वारा रूद्रांष का फूलमालाओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। रूद्रांष भरतपुर संभाग के ऐसे अकेले अर्जुन अवार्डी है जिन्हें प्रथम वार अर्जुन अवार्ड विजेता है। रूद्रांष के सफलताओं को अम्बार है वह 2022 में राष्ट्रीय पैरा शूटिंग चौम्पियनषिप में उन्होंने पांच स्वर्ण पदक एवं तीन रजत पदक जीते और 2023 में हांगझोऊ एषियन पैरा गेम्स में दो रजत पदक एवं ओसिजेक वर्ल्ड कप में चार स्वर्ण पदक हासिल किये और दो विष्व रिकॉर्ड बनाए। 2024 नई दिल्ली पैरा शूटिंग वर्ल्ड कप में एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक जीता। आगे 2028 में रूद्रांष का ओलम्पिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य है। इस अवसर पर पूर्व खेल अधिकारी सत्यप्रकाष लोहाच, रूद्रांष की माँ विनिता खण्डेलाल पिता आंषू खण्डेलवाल एंव प्राचार्य डॉ॰ गम्भीर सिंह, डॉ॰ सुधा शर्मा, ओमप्रकाष शर्मा, सविता अग्रवाल एवं समस्त संस्थानों के कार्मिक एवं छात्राऐं उपस्थित रही।

### अलवर में 20 हजार हित चिंतक सदस्य बनाने का लक्ष्य, विहिप ने बनाई रणनीति

**अलवर।** विश्व हिंदू परिषद की ओर से आमजन को संगठन से जोड़ने के उद्देश्य से 5 दिसंबर तक प्रांतीय योजना के तहत हित चिंतक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान की तैयारियों और कार्ययोजना को लेकर गुरुवार को बस स्टैंड के समीप स्थित चित्रगुप्त धर्मशाला में विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद कुमार विशेष रूप से शामिल हुए। जिला मंत्री विजेंद्र खंडेलवाल ने बताया कि हित चिंतक अभियान देशभर में चलाया जा रहा है। इसके तहत आमजन को संगठन से जोड़कर हित चिंतक सदस्य बनाया जाएगा। अलवर जिले में इस अभियान के दौरान 20 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता जिले के विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेंगे और उन्हें हित चिंतक सदस्य बनाएंगे। यह अभियान 17 नवंबर को गोपाष्टमी से शुरू हुआ है जो 5 दिसंबर तक चलेगा। बैठक में अभियान की रूपरेखा, सदस्यता लक्ष्य और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने की बात कही।

### बाल दुर्व्यवहार रोकथाम दिवस पर सुरक्षित बचपन का संकल्प लिया

**टोंक।** विश्व बाल दुर्व्यवहार रोकथाम दिवस के अवसर पर शिव शिक्षा समिति, राणोली एवं बाल अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित कवच परियोजना एवं सपनों की उड़ान परियोजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में लगभग 600 किशोर-किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाड़ी कलां, बगड़ी एवं पीपलू ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों के साथ-साथ गुराई (ब्लॉक देवली), मंडावर (ब्लॉक टोंक), दहलोड़ (ब्लॉक निवाई) एवं देशमा (ब्लॉक मालपुरा) सहित जिले के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला प्रतियोगिता, किशोर-किशोरियों एवं शिक्षकों के बीच संवाद, शपथ ग्रहण तथा खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को बाल दुर्व्यवहार की पहचान, उससे बचाव, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, बाल अधिकारों तथा व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

साथ ही बच्चों को किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार की स्थिति में बिना किसी डर के अपनी बात रखने एवं विश्वसनीय व्यक्ति से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संस्था निदेशक डॉ. शिवजीराम यादव ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त वातावरण में जीने और आगे बढ़ने का अधिकार है। बाल दुर्व्यवहार की रोकथाम केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। इसके लिए विद्यालय, परिवार, समुदाय एवं संबंधित विभागों को मिलकर कार्य करना होगा, ताकि प्रत्येक बच्चे का बचपन सुरक्षित रह सके। साथ ही जिला समन्वयक